अमरकंटक में श्रद्धा और भक्ति की उमड़ी बयार

अनूपपुर, देशबन्धु । श्रावण मास के पहले दिन अनूपपुर जिले की आध्यात्मिक नगरी अमरकंटक शिवमय हो उठी। नर्मदा उद्गम स्थल से पवित्र जल लेकर कांवड़ियों ने बोल बम के जयकारों के साथ जालेश्वर धाम पहुंचकर भगवान जलेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया। सावन की शुरुआत होते ही भक्तों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। अलसुबह से ही शिव मंदिरों में रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम प्रारंभ हो गया था। श्रद्धालुओं ने नर्मदा स्नान कर शिवालयों में पूजा-अर्चना की और पूरे मनोयोग से दूध, दही, घी, जल, बेलपत्र, धतूरा, आक और फूल अर्पित कर भगवान शंकर को प्रसन्न करने का प्रयास किया। मंदिरों के गर्भगृह बोल बम, हर-हर महादेव और ओम नमः शिवाय जैसे मंत्रोच्चार से गूंजते रहे।

कांवड़ यात्रा बनी आस्था की प्रतीक - हर वर्ष की भांति इस बार भी अमरकंटक से जल लेकर छत्तीसगढ़ की सीमा स्थित जालेश्वर धाम पहुंचने वाले कांवड़ यात्रियों का कारवां हजारों की संख्या में दिखाई दिया। श्रद्धालु नर्मदा कुंड से जल लेकर पैदल यात्रा करते हुए जय नर्मदा, जय भोलेनाथ के जयकारों के साथ शिवधाम तक पहुंचे। इस दौरान कवर्धा, राजनांदगांव, बिलासपुर सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों और मध्यप्रदेश के कई हिस्सों से आए भक्त शामिल हुए।

सावन में शिव मंदिरों में उमड़ा जनसैलाब -अमरकंटक के अमरेश्वर महादेव, जालेश्वर महादेव, कपिलधारा शिव मंदिर सहित जिले के अन्य शिवालयों में भक्तों का सुबह से ही तांता लगा रहा। महिलाएं और अविवाहित युवतियां व्रत रखकर शिव की पूजा में लीन रहीं। भक्ति भाव से ओतप्रोत वातावरण में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से सुख, शांति और स्वास्थ्य की कामना की।

सावन के पहले दिन झूमकर बरसे बदरा

धार्मिक मान्यताओं से गूंजा श्रावण मास - पौराणिक मान्यताओं के अनुसार श्रावण मास में भगवान शिव की पूजा अत्यंत फलदायक मानी जाती है। ऐसा विश्वास है कि इसी माह समुद्र मंथन में निकला विष भगवान शिव ने पिया था और देवताओं द्वारा किए गए जलाभिषेक से उन्होंने विष की तपन को शांत किया था। यही कारण है कि श्रावण में जलाभिषेक का विशेष महत्व है। माता पार्वती द्वारा सावन में भोलेनाथ की उपासना का भी उल्लेख मिलता है, जो आज भी श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

प्रशासन और मंदिर समिति की रही चाक-चौबंद व्यवस्था - श्रावण मास की शुरुआत से पूर्व नर्मदा मंदिर समिति और जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की गई थीं। श्रद्धालुओं की भीड़ को सुव्यवस्थित रखने, सुरक्षा, चिकित्सा और जलप्रदाय जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। नगर की गलियों से लेकर मंदिर परिसर तक साफ-सफाई और सजावट का विशेष ध्यान रखा गया। इस आध्यात्मिक माहौल में अमरकंटक नगरी पूरी तरह से शिव भक्ति में लीन रही। भक्तों के चेहरे पर उमंग और श्रद्धा की झलक साफ दिखाई दी। सावन के पहले ही दिन की ऐसी शुरुआत ने यह संकेत दे दिया है कि यह पूरा माह भक्ति, ऊर्जा और आस्था से परिपूर्ण रहने वाला है।

वार्ड 13 में नाली तोड़ने की शिकायत, सीएमओ से जांच व कार्रवाई की मांग

अनूपपुर, देशबन्धु । नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 उज्वल कॉलोनी में बनी नई नाली को अज्ञात व्यक्ति द्वारा तोड़े जाने की शिकायत मुख्य नगरपालिका अधिकारी को सौंपी गई है। वार्ड निवासी प्रदीप कुमार यादव ने सीएमओ को दिए आवेदन में बताया कि करीब 4 माह पूर्व 250 मीटर लंबी नाली का निर्माण जयंतराव के घर से आलोक पटेल के घर तक कराया गया था। लेकिन 6 जुलाई को किसी अज्ञात व्यक्ति ने नाली तोड़ दी और उसमें मिट्टी डालकर बंद कर दिया। आवेदक ने नाली को दोबारा खुलवाने और दोषी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर सीएमओ से जांच की अपेक्षा जताई जा रही है।

सार-समाचार

प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को मिले स्वीकृति पत्र

बिजुरी, देशबन्धु। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के पात्र हितग्राहियों को शुक्रवार, 11 जुलाई को नगरपालिका परिषद बिजुरी द्वारा स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। यह कार्यक्रम नगर परिषद सभागार में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न वार्डों से आए हितग्राहियों को आवास योजना की स्वीकृति संबंधी दस्तावेज वितरित किए गए। पात्र नागरिकों को यह आश्वासन मिला कि शीघ्र ही उन्हें आवास निर्माण के लिए आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष सहबिन पनिका, उपाध्यक्ष प्रीति सतीश शर्मा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी पवन कुमार साहू, भाजपा मंडल अध्यक्ष रविंद्र रिंकू शर्मा, महामंत्री कैलाश कोल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, नपाकर्मी, भाजपा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

एसईसीआर श्रमिक यूनियन को मिलेगा यूनियन कार्यालय, रेलवे बोर्ड ने दी मंजूरी

अनूपपुर, देशबन्धु। साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे (एसईसीआर) श्रमिक यूनियन को अब जल्द ही रेलवे ज़ोन व मंडल स्तर पर यूनियन कार्यालय की सुविधा मिल सकेगी। यह जानकारी ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (एआईआरएफ) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं एसईसीआर श्रमिक यूनियन के महामंत्री मनोज बेहरा ने दी। उन्होंने बताया कि 5-6 दिसंबर 2024 को हुए यूनियन मान्यता चुनाव में किसी भी यूनियन को आवश्यक 35 प्रतिशत मत नहीं मिल पाए। ऐसे में सीक्रेट बैलट मॉडलिटी के तहत सबसे अधिक वोट प्राप्त करने वाली यूनियन मजदूर कांग्रेस को मान्यता मिली, जबकि एसईसीआर श्रमिक यूनियन एवं अखंड रेल कर्मचारी संघ को सेक्शन 5.10 के तहत सीमित सुविधा देने की पात्रता प्राप्त हुई। एआईआरएफ महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा द्वारा यह मांग लगातार रेलवे बोर्ड स्तर पर उठाई गई कि जहां यूनियन मान्यता प्राप्त नहीं कर सकी है, वहां भी संगठन को कार्यालय उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे रेल कर्मचारियों से सीधे संवाद कर सकें। इस मांग को स्वीकारते हुए रेलवे बोर्ड की प्रधान कार्यकारी निदेशक रेनू शर्मा ने सभी महाप्रबंधकों को पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं कि एआईआरएफ व एनएफआईआर से संबद्ध यूनियनों को कार्यालय प्रदान किया जाए।

वर्षा काल में सतर्क रहें पटवारी

अनूपपुर, देशबन्धु । वर्षा ऋतु में संभावित आपदाओं और प्राकृतिक घटनाओं को देखते हुए जिले के सभी पटवारियों को सजग एवं सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। यह निर्देश शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित बैठक में अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पांडेय ने दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों में दुर्घटनाओं, आपदाओं और बीमारियों की संभावना अधिक होती है, ऐसे में पटवारी अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाएं और किसी भी आपात स्थिति की जानकारी तत्काल नियंत्रण कक्ष को दें, ताकि समय रहते राहत कार्य शुरू किए जा सकें।

श्री पांडेय ने कहा कि पटवारी अपने नियमित राजस्व कार्यों जैसे फॉर्मर रजिस्ट्री, फसल रजिस्टर (एफआर) और अन्य दस्तावेजों के अद्यतन को प्राथमिकता दें। उन्होंने जोर दिया कि भूमि विवाद, फसल क्षति या प्राकृतिक आपदा की स्थिति में पटवारी की भूमिका बेहद अहम होती है। शासन के निर्देशों का पालन करते हुए वे समय पर प्रशासन को क्षेत्रीय समस्याओं से अवगत कराएं, ताकि राहत एवं पुनर्वास कार्यों को प्रभावी रूप से अंजाम दिया जा सके।

बैठक में अधीक्षक भू-अभिलेख प्रदीप मोगरे ने निर्देश दिए कि जिले में कहीं भी बाढ़, भूस्खलन या मकान गिरने जैसी घटना होने पर संबंधित पटवारी तत्काल मौके पर पहुंचे और त्वरित सर्वे कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा या ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान होने पर तत्काल पंचनामा तैयार कर कार्यालय को भेजा जाए, ताकि प्रभावित किसानों को समय पर मुआवजा मिल सके। श्री मोगरे ने कहा कि वर्षा ऋतु में भूमि विवाद बढ़ जाते हैं, अतः पटवारी स्थलीय निरीक्षण कर न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित करें।

इसके साथ ही, यदि किसी क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया जैसी मौसमी बीमारियों का प्रकोप हो तो पटवारी स्थानीय स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें और जनजागरूकता अभियान में सक्रिय सहयोग करें। बैठक में जिले के सभी पटवारी उपस्थित रहे तथा विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा कर उन्हें आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

मजदूर कांग्रेस में युवाओं व अनुभवी नेताओं की नई टीम का गठन : पीतांबर लक्ष्मी नारायण

अनूपपुर, देशबन्धु । रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर जोन में अब युवाओं और अनुभवी रेल नेताओं की समन्वित टीम तैयार की जा रही है। यह बात नवनिर्वाचित जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण ने बिलासपुर में अध्यक्ष एवं महामंत्री के पदभार ग्रहण समारोह में कही। उन्होंने कहा कि मजदूर कांग्रेस एक नए दौर में प्रवेश कर रही है, और इसमें नई पीढ़ी को अनुभव के साथ आगे लाया जाएगा। 3 जुलाई को नागपुर अधिवेशन में आयोजित जोनल कार्यकारिणी चुनाव में सर्वसम्मति से दिलीप कुमार स्वाइन को जोनल अध्यक्ष और पीतांबर लक्ष्मी नारायण को लगातार दूसरी बार जोनल महामंत्री चुना गया। उनके पहले बिलासपुर आगमन पर जोनल मजदूर कांग्रेस कार्यालय, बुधवारी बाजार में विजय अग्निहोत्री के नेतृत्व में भव्य स्वागत समारोह आयोजित हुआ। फूल-मालाओं, बुके और पटाखों के साथ स्वागत करते हुए महामंत्री लक्ष्मी नारायण ने अध्यक्ष स्वाइन को पदभार ग्रहण कराया। इस दौरान कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र कुमार धल, लक्ष्मण राव, बी. कृष्ण कुमार, डी.डी. महेश, राजेश सोनकर, शुभम उपाध्याय समेत कई पदाधिकारी व शाखा सचिव उपस्थित रहे।

स्कूली वाहनों की चेकिंग, नौ पर लगा जुर्माना

अनूपपुर, देशबन्धु। शहर में स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं परिवहन नियमों के पालन की समीक्षा हेतु यातायात विभाग अनूपपुर द्वारा शुक्रवार को विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 26 स्कूली वाहनों की गहन जांच की गई। चेकिंग के दौरान वाहनों के बीमा, परमिट, फिटनेस, प्रदूषण सर्टिफिकेट, ड्राइवर का वैध लाइसेंस और अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, सीसीटीवी कैमरा, दरवाजों का लॉकिंग सिस्टम जैसी अनिवार्य सुरक्षा सुविधाओं की भी पड़ताल की गई। जांच के दौरान 9 वाहनों में विभिन्न प्रकार की अनियमितताएं पाई गईं, जिन पर 14 हजार का चालानी जुर्माना लगाया गया।

सबसे बड़ी कार्यवाही महर्षि एंग्लो स्कूल की बस पर की गई, जो बिना वैध परमिट के संचालित हो रही थी। विभाग ने तत्काल प्रभाव से 10 हजार का जुर्माना लगाते हुए चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संकल्प महाविद्यालय में सर्प मित्रों का सम्मान समारोह

अनूपपुर, देशबन्धु । वन्यजीव संरक्षण एवं जनहित में उत्कृष्ट कार्य कर रहे सर्प मित्रों का सम्मान समारोह संकल्प महाविद्यालय परिसर में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम अनूपपुर कमलेश पुरी रहे, जिन्होंने अपने उद्बोधन में सर्प मित्रों की सेवा भावना और साहसिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इनका योगदान समाज और पर्यावरण के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। सम्मानित किए गए सर्प मित्रों में शशिधर अग्रवाल, छोटे लाल यादव, मनोज कुमार यादव, नवीन और धर्मेंद्र कुमार यादव शामिल रहे। इन सभी ने वर्षा ऋतु में सर्पदंश जैसी आपात स्थितियों में लोगों की सहायता करने और सांपों को सुरक्षित स्थानों पर छोड़ने जैसे सराहनीय कार्य किए हैं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और स्वागत उद्बोधन से हुई। मुख्य वक्ता शशिधर अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सर्पों के व्यवहार, उनके महत्व और उनसे जुड़े भ्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सांप प्रायः हानिकारक नहीं होते हैं और इनके संरक्षण से पारिस्थितिक तंत्र संतुलित रहता है। विद्यार्थियों ने विषय में गहरी रुचि दिखाते हुए अनेक प्रश्न पूछे, जिनका समाधान भी मौके पर किया गया।

अन्य वक्ताओं ने भी सर्प मित्रों के साहसिक कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे ये लोग निस्वार्थ भाव से आमजन की मदद करते हैं और पर्यावरण की रक्षा में योगदान देते हैं। शशिधर अग्रवाल के अनुभव और सेवा भावना को विशेष रूप से सराहा गया। अपने संबोधन में एसडीएम कमलेश पुरी ने कहा कि इन सर्प मित्रों की कार्यशैली हमें यह सिखाती है कि निस्वार्थ सेवा, जागरूकता और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता आज के समय की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के अंत में एसडीएम कमलेश पुरी एवं महाविद्यालय संचालक अंकित शुक्ला ने सभी सर्प मित्रों को शॉल, श्रीफल एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया। श्री शुक्ला ने अपने आभार वक्तव्य में कहा कि संकल्प महाविद्यालय सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के निर्वहन हेतु सदैव तत्पर रहेगा। यह आयोजन न केवल वन्यजीवों के प्रति चेतना जगाने का कार्य करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि जब शिक्षा संस्थान और समाज मिलकर कदम उठाते हैं, तो एक सुरक्षित, जागरूक एवं संवेदनशील समाज का निर्माण संभव है।

दैनिक राशिफल

शनिवार 12 जुलाई 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2082, शक संवत 1947 हिजरी 1446। श्रावण कृष्ण पक्ष की द्वितीया, नक्षत्र-उ.षा.।

मेष - आज आप पारिवारिक सदस्यों के साथ मिलकर घरेलू मामलों के संबंध में विचार विमर्श करेंगे। घर को नए सिरे से योजनाबद्ध करके आप उसे एक नया स्वरूप देंगे।

वृषभ - आज आप विदेश में बसनेवाले मित्रों या स्नेहीजनों के अच्छे समाचार पाकर आनंद अनुभव कर सकेंगे। जो लोग विदेश जाना चाहते हैं, उनके लिए अच्छा समय है।

मिथुन - आज आपको काफी सावधानी रखने की जरुरत है। आज इलाज या शल्यचिकित्सा टालना बेहतर होगा। क्रोध से खुद की हानि कर लेंगे। दिमाग को शांत रखें। क-248-125

कर्क - वैभवी जीवन शैली तथा मनोरंजक प्रवृत्तियों से आज आप आनंदित रहेंगे। व्यापार में आप को लाभ होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

सिंह - मानसिक चिंता से मन चिंतित रहेगा। शंका और उदासी भी मन पर छाई रहेगी, इसलिए आज मन भारी रहेगा। किसी कारणवश दैनिक कामों में विघ्न आ सकते हैं।

कन्या - आज विद्यार्थियों के लिए समय कठिन है। संतान के विषय में आपको चिंता बनी रहेगी। शेयर-सट्टे से संभलकर चलिएगा। मन में खिन्नता का अनुभव होगा।

तुला - आपके लिए समय शुभ है। किसी बात को लेकर मन ज्यादा इमोशनल रहेगा। शारीरिक ताज़गी का अभाव रहेगा। मानसिक चिंता भी रहेगी। धन और यश की हानि हो सकती है।

वृश्चिक - आज का दिन आपके लिए लाभदायी है। आज आर्थिक लाभ होने के साथ-साथ भाग्य वृद्धि भी होगी। स्नेहीजनों के साथ संबंधों में प्रेम की अधिकता रहेगी।

धनु - आप का दिन मिश्रित फलदायी है। असमंजस के कारण निर्णय लेना कठिन होगा। मन में चिंता रहेगी। परिजनों के साथ मनमुटाव न हो, इसका ध्यान रखें।

मकर - आज दिन की शुरूआत ईश्वर स्मरण से होने के कारण मन प्रफुल्लित रहेगा। पारिवारिक वातावरण मंगलमय रहेगा। मित्रों, स्नेहीजनों से आपको उपहार प्राप्त होंगे।

कुंभ - आज शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थता बनी रहेगी। परिजनों के साथ कलह होने की संभावना है। धन के लेनदेन या पूंजी निवेश करते समय ध्यान रखें।

मीन - आज आकस्मिक धनलाभ की संभावना अधिक है। संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। बचपन के या पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मॉ-556-238

2,7,3,8,23,78,39,82,45,53,62,19

बिना एनओसी, बिना दीवार, मौत बांट रही बिजुरी कोल साइडिंग!

प्रदूषण नियंत्रण के नियमों की खुलेआम उड़ाई धज्जियां, कपिलधारा कॉलोनी में बीमारियों का विस्फोट, प्रशासन मौन

बिजुरी, देशबन्धु। क्या आम जनता की जान की कीमत अब कागजी कार्रवाई से भी कम हो गई है? बिजुरी की साईं कृपा कोल साइडिंग पर जो हो रहा है, वह सिर्फ लापरवाही नहीं बल्कि सीधे-सीधे जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। न एनओसी, न बाउंड्री वॉल, न धूल नियंत्रण फिर भी कोयले का अंधाधुंध भंडारण और परिवहन जारी है और सबसे शर्मनाक बात? कपिलधारा कॉलोनी जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र से बस कुछ कदम की दूरी पर यह सब हो रहा है।

धूल में दम तोड़ती जिंदगी

कपिलधारा कॉलोनी के रहवासी आज सांस नहीं ले पा रहे शाब्दिक अर्थों में! कोयले की काली धूल हर सुबह उनके घरों में चुपचाप दाखिल हो जाती है। भोजन से लेकर फेफड़ों तक सबकुछ जहरीला हो चुका है। बच्चों को खेलने से रोका जा रहा है, बुजुर्ग दवाओं पर निर्भर हैं और प्रशासन फाइल देखने की बात कर रहा है!

प्रदूषण नियंत्रण विभाग का काला सच - एनओसी नहीं है। ईआईए रिपोर्ट नहीं है। बाउंड्री वॉल अभी बन रही है। सड़कें कच्ची, धूल नियंत्रण शून्य। फिर भी कोल साइडिंग फल-फूल रही है। क्या यह प्रदूषण विभाग की मिलीभगत नहीं तो और क्या है? संभागीय अधिकारी मुकेश श्रीवास्तव फरमाते हैं कि हर जगह निरीक्षण नहीं हो पाता, सोमवार को फाइल देखकर बताएंगे। सवाल ये है कि तब तक लोग सांस कैसे लेंगे?

इतना ही नही संचालक का बचाव सिर्फ बहाना है। साइडिंग के संचालक आनंद तिवारी कहते हैं कि हमारे पास दस्तावेज हैं निर्माण कार्य जारी है, जनता पूछ रही है। बगैर दस्तावेजों के काम शुरू कैसे हुआ? किसकी छूट पर?

यह सिर्फ धूल नहीं, एक व्यवस्था की बेशर्मी है - हर कोयले की ट्रक के साथ जो धूल उड़ रही है, वह सिर्फ पर्यावरण को नहीं, भरोसे को भी प्रदूषित कर रही है। यहां नियम सिर्फ छोटे लोगों के लिए हैं और जिनके पास जुड़ाव है, उनके लिए सब माफ है। लेकिन जब जनता की सांसें बंद होती हैं, तो लोकतंत्र की नींव हिलती है।

आसपास की जनता ने मांग कि है कि तुरंत साइडिंग सील हो, जिम्मेदार अधिकारियों और संचालकों पर एफआईआर हो, रहवासियों के स्वास्थ्य परीक्षण हों तथा कोल साइडिंग को आबादी से दूर स्थानांतरित किया जाए।

किसके संरक्षण में चल रहा है प्रदूषण का कारोबार - यह सिर्फ एक कोल साइडिंग की बात नहीं है। यह उस सिस्टम की कहानी है जो फाइलों में इंसान को गिनता है और जमीन पर मौत को अनदेखा करता है। बिजुरी की जनता अब चुप नहीं बैठेगी। अगर प्रशासन नहीं जागा, तो अगली लहर सिर्फ कोयले की धूल नहीं होगी जनाक्रोश की आग भी होगी।